

Padma Shri



SHRI ASHOK KUMAR SAHU

Shri Ashok Kumar Sahu is a social activist working tirelessly for the past 20 years to help people understand the benefits of Vipassana, the 2500-year-old Indian meditation technique. Taught by Shri SN Goenka in the tradition of Sayagyi U Ba Khin, he has guided more than 50,000 people through the Dhamma Kalyan centres in Kanpur and Lucknow. He has been one of the main proponent for this in Uttar Pradesh region.

2. Born on 29th March, 1952 in Kanpur into a humble family, Shri Sahu has always been inclined to work for the betterment of society. In 1999, when he was battling stress and other health issues, he found out about Vipassana that promotes self-awareness without getting constraints in any form of sects. After benefitting from the process, he decided to promote it further among the masses.

3. In 2003, Shri Sahu founded the Dhamma Lakkhana Centre, Lucknow, to reach out to more people battling depression, stress, or looking for peace through the proven technique of Vipassana. Looking at the response and results, he started the second centre, the Dhamma Kalyana (Kanpur International Vipassana Centre) in 2010. Situated at the banks of the river Ganga at Dhori Ghat village, Kanpur, the centre offers two free residential courses spanning 10 and 20 days. Around 5,000 participants from across the globe benefit from these courses every year. The centre is well-equipped to cater and attend to foreign nationals by imparting the courses in 47 foreign languages. Apart from this, there are three-day courses for young students and teenagers. The centres are single-handedly run by Shri Sahu, who has invested time and money for the same. In 2019, the President of India, Shri Ramnath Kovind appreciated his efforts inaugurated the new male hostel at Dhamma Kalyana. Recently, he opened the Vipassana centres for our Corona warriors and provided free stay and food.

4. Apart from teaching and promoting Vipassana, Shri Sahu has also been working towards the development of the Dhori Ghat village near Kanpur city. This is not all; he actively promotes women's education in and around rural Uttar Pradesh and helps the needy in healthcare-related emergencies. He has been an active campaigner against dowry in the community and has sponsored the marriages of about 100 underprivileged couples through 'Samuhik Vivah Karyakrams'.

5. Shri Sahu has also been funding and managing the 'Jai Hind Vyamshala' – one of the oldest 'Akhadas' in Kanpur for the past 40 years, to keep the local tradition alive. Further, he has been organising the yearly 'Dangal' events and the monthly 'Bhandaras' under the banner of the Vyamshala.



श्री अशोक कुमार साहू

श्री अशोक कुमार साहू एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं जो 2500 वर्ष पुरानी भारतीय ध्यान पद्धति विपासना के लाभों की जानकारी देकर 20 वर्षों से लगातार लोगों की सहायता कर रहे हैं। सयागई यू बा खिन की परंपरा में श्री एस.एन. गोयनका द्वारा प्रशिक्षित श्री साहू ने कानपुर और लखनऊ में धम्म कल्याण केन्द्रों के माध्यम से 50,000 से अधिक लोगों का मार्गदर्शन किया है। वह उत्तर प्रदेश क्षेत्र में इसके प्रमुख प्रवर्तकों में से एक रहे हैं।

2. 29 मार्च, 1952 को कानपुर के एक साधारण परिवार में जन्मे श्री साहू हमेशा समाज की बेहतरी के लिए तत्पर रहते हैं। वर्ष 1999 में जब वह तनाव और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे, तो उन्हें विपासना के बारे में पता चला जो किसी संप्रदाय से जुड़े बिना आत्मबोध को बढ़ावा देती है। इस ध्यान पद्धति से फायदा हासिल करने पर, उन्होंने लोगों के बीच इसका प्रचार-प्रसार करने का निर्णय लिया।

3. श्री साहू ने विपासना की सिद्ध पद्धति के माध्यम से अवसाद, तनाव से ग्रस्त या शांति की खोज में भटक रहे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने के लिए, वर्ष 2003 में धम्म लखनऊ केन्द्र, लखनऊ की स्थापना की। इसके प्रति लोगों के उत्साह और परिणाम से प्रेरित होकर उन्होंने वर्ष 2010 में दूसरा केन्द्र, धम्म कल्याण (कानपुर इंटरनेशनल विपासना सेंटर) की स्थापना की। धोरी घाट गांव, कानपुर में गंगा नदी के किनारे स्थित, यह केन्द्र 10 और 20 दिन के दो निःशुल्क आवासीय पाठ्यक्रम का संचालन करता है। प्रति वर्ष पूरी दुनिया के लगभग 5000 प्रतिभागी इन पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होते हैं। यह केन्द्र 47 विदेशी भाषाओं में पाठ्यक्रम के माध्यम से विदेशी नागरिकों को सेवा प्रदान करता है और उनकी जरूरतें पूरी करता है। इसके अलावा, यह केन्द्र युवा छात्रों और किशोरों के लिए तीन दिवसीय पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। वह अकेले ही इन केन्द्रों का संचालन करते हैं और उन्होंने इसके लिए अपना समय और पैसा दोनों लगाया है। वर्ष 2019 में, भारत के राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द ने धम्म कल्याण के नए पुरुष छात्रावास का उद्घाटन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। हाल ही में उन्होंने हमारे कोरोना योद्धाओं के लिए विपासना केन्द्र खोले और उन्हें निःशुल्क आवास और भोजन उपलब्ध कराया।

4. विपासना के शिक्षण और संवर्द्धन के अलावा, श्री साहू कानपुर शहर के समीप धोरी घाट गांव के विकास के लिए भी कार्य करते रहे हैं। इतना ही नहीं, वह उत्तर प्रदेश और उसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में महिला शिक्षा को भी बढ़ावा देते हैं और स्वास्थ्य संबंधी आकस्मिक परिस्थितियों में जरूरतमंद लोगों की मदद करते हैं। वह समाज में दहेज के विरुद्ध सक्रिय अभियान चला रहे हैं और उन्होंने 'सामूहिक विवाह कार्यक्रमों' के माध्यम से लगभग 100 गरीब जोड़ों का विवाह कराया है।

5. श्री साहू कानपुर में अखाड़े की स्थानीय परम्परा को जीवित रखने के लिए पिछले 40 वर्ष से कानपुर के एक सबसे पुराने अखाड़े 'जय हिंद व्यायामशाला' की वित्तीय जरूरतें पूरी कर रहे हैं और उसका प्रबंधन कर रहे हैं। इसके अलावा, वह व्यायामशाला के तत्वाधान में प्रति वर्ष 'दंगल' कार्यक्रम और प्रति माह 'भंडारे' का भी आयोजन करते हैं।